ई-संस्करण, अंक 23

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

प्यारे साथियों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं कि सभी बच्चों के स्कूल अभी भी बंद हैं और सब अपने–अपने घर पर ही हैं। हमने सोचा कि हमारे साथियों को अपने गपशप का इन्तज़ार होगा, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं गपशप का नया अंक। जिसमें हम सब जानेंगे कोरोना के समय में अपने समय का सदुपयोग कैसे करें और इंटरनेट पर ऑनलाइन पढ़ाई करते वक्त किन बातों का ध्यान रखें। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

सुरक्षित मैसेजिंग

एसएमएस या वाट्सएप्प पर दोस्तों से बात करना मज़ेदार होता है, आप अपने दोस्तों से बात करने का आनंद उठाते हैं और नए दोस्त भी बनाते हैं पर एक सही या उचित संदेश क्या होता है इसे जानना भी ज़रूरी है। कई बार आप जो संदेश प्राप्त करती हैं वह नुकसानदेह नहीं लगता है। लेकिन वह गंदा और ख़तरनाक भी हो सकता है इसलिए यह महत्त्वपूर्ण है कि आप इसके बारे में जानें। आप एसएमएस/वाट्सएप्प पर सुरक्षित रहें इसलिए इन सुरक्षा के नियमों का पालन करें–

सुरक्षित और सभ्य मैसेजिंग

- जब एसएमएस/वाट्सएप्प करें तो दूसरों का सम्मान करें।
- इस बारे में सोचें कि जब कोई उसे पढ़ेगा तो क्या वह संदेश गुस्सा से भरा या रूखा तो नहीं लगेगा।
- आप जिनको नहीं जानतीं उन लोगों के संदेश को अनदेखा करें।
- सीखें कि कैसे किसी को आप संदेश करने या अपने फोन पर कॉल करने से रोक सकते हैं या ब्लॉक कर सकती हैं।
- किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपना मोबाइल नंबर न शेयर करें।
- कभी भी निजी जानकारी एसएमएस संदेश में नहीं भेजें, जैसे पूरा नाम, पता या अपने बैंक खाते की जानकारी।
- ऐसे संदेश, फोटो या वीडियो नहीं भेजें जिसमें आपकी या किसी अन्य की कम या बिना कपड़ों वाली तस्वीर हो।
- अपने दोस्तों की फोटो या वीडियो साझा करने से पहले उनकी सहमति अवश्य लें।

मैं भी कर सकती हूँ

अभी कोरोना के दौरान, कविता सभी बच्चों की ही तरह अपने घर पर रहकर पढ़ाई करती है। वह मोबाइल पर व्हाट्सएप्प और फेसबुक के ज़रिए अपनी टीचर्स और अपने दोस्तों से बात करती है। एक दिन पढ़ाई करने के बाद जब वह फेसबुक पर अपनी दोस्त से बात कर रही थी, उसके संदेशों को पढ़ रही थी। तभी उसे एक फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट आया। जो किसी सोनिया का था। कविता ने उसकी प्रार्थना को स्वीकार कर लिया।

फिर क्या था सोनिया के मैसेज उसके पास आने लगे। कुछ दिनों तक इधर–उधर की बातें हुई। फिर एक दिन सोनिया ने कविता से कहा कि–तुम मुझे अपनी एक तस्वीर भेजो।

कविता ने जवाब दिया– वो तो पहले ही लगी हुई है।

फिर सोनिया ने कहा– एक सुंदर सी, अभी की तस्वीर भेजो।

यह सुनते ही कविता का माथा ठनका। वह थोड़ा बहुत ऑनलाइन सावधानियों के बारे में जानती थी। उसने समझदारी से काम लिया और पूछा– मुझे लगता है तुम सोनिया नहीं हो। सच बताओ तुम कौन हो?

दूसरी तरफ से जवाब आया कि– तुमने ठीक पहचाना। मेरा नाम सन्नी है। मैं तुमसे दोस्ती करना चाहता हूँ।

यह सुनकर कविता चौंक गई। आज तक वो जिसे सोनिया समझ कर बात कर रही थी वह एक लड़का है। इसका मतलब लोग झूठे नाम से भी अपना फेसबुक अकाउंट बनाकर दूसरों को बेवकूफ बनाते हैं। ऐसे तो यह मुझे ठग भी सकते हैं। कविता ने झट से उसे ब्लॉक कर दिया और अपने अकाउंट से हटा दिया। वह सोचने लगी कि अब उसे क्या करना चाहिए। तभी उसकी दीदी कमरे में आ गई। उसने अपनी दीदी को पूरी बात बता दी। फिर दोनों ने जाकर अपने माता–पिता को सारी बात बताई। पिताजी ने उन्हें शाबाशी दी और कहा कि वह इसकी रिर्पोट करेंगे।

तो साथियों, यह तो हुई कविता की समझदारी और सतर्कता की बात। अगर आपके साथ ऐसी कोई परिस्थिति हो जाए तो आप क्या करेंगे?

फौरन ब्लॉक कर देंगे। | किसी विश्वसनीय बड़े को बताएंगे। | पुलिस को 100 पर कॉल करेंगे। | महिला हैल्पलाइन पर रिपोर्ट करेंगे।

मेरी कलम से

हम आपसे यह भी जानना चाहते हैं –

- क्या कभी आपको या आपकी सहेलियों को ऑनलाइन अनुचित या अनचाहे संदेश मिले हैं?
- ऐसी कोई घटना हुई है जिसमें आपको बेवकूफ बनाया गया हो या आपके साथ कोई दुर्व्यवहार किया गया हो?

आप निसंकोच ख़त लिखकर हमें बता सकते हैं।